केंद्रीय विद्यालय-1, बीकानेर

नमूना प्रश्न पत्र-1 / परीक्षा- अगस्त, 2017 के लिए

समय- 1.30 घंटे | कक्षा- XII | विषय- हिंदी (आधार) | पूर्णांक-40

नोट- सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है। सुख स्वर्ग सा जहाँ है,वह देश कौन-सा है॥
जिसके चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है। जिसका मुकुट हिमालय,वह देश कौन-सा है॥
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं। सींचा हुआ सलोना,वह देश कौन सा है॥
जिसके बड़े रसीले फल,कंद,नाज मेवे। सब अंग में सजे हैं वह देश कौन-सा है॥
जिसके सुगंध वाले,सुंदर प्रसून प्यारे। दिन-रात हँस रहे हैं,वह देश कौन-सा है॥
मैदान,गिरि,वनों में,हरियाली महकतीं। आनंदमय जहाँ है,वह देश कौन-सा है॥
जिसकी अनंत वन से धरती भरी पड़ी है। संसार का शिरोमणि,वह देश कौन-सा है॥
सबसे प्रथम जगत में सभ्य था यशस्वी। जगदीश का दुलारा,वह देश कौन-सा है॥

(क) प्रस्तुत काव्यांश में किस देश का वर्णन किया गया है? 1

(ख) 'सुख स्वर्ग-सा' कहाँ है और कैसे है? 1

(ग) नदियों को सुधा की धारा क्यों कहा गया है? 1

(घ) जगदीश का दुलारा देश संसार का शिरोमणि कैसे है? 1

(ङ) काव्यांश का सार्थक एवं उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

2. अपने क्षेत्र में होने वाले अपराधों के संबंध में स्थानीय थाना अधिकारी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

जिले में चल रहे स्वच्छता अभियान के विषय पर अपने सुझावों के साथ स्थानीय समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ,
कर यत्न मिटे सब,सत्य किसी ने जाना ?
नादान वहीं है, हाय, जहाँ पर दाना !
फिर मूढ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे
मैं सीख रहा हूँ, सीखा ज्ञान भुलाना !

(क) कवि जीवन में क्या लिए घूमता है? 2

(ख)कवि को बाहर-भीतर क्या हँसाता-रुलाता है ? 2

(ग)'नादान वही हैं, हाय,जहाँ पर दाना!'-कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा? 2

(घ) कवि ने यह क्यों कहा कि सत्य किसी ने नहीं जाना? 2

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
जोर जबरदस्ती से
बात की चूड़ी मर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!
हार कर मैंने उसे कील की तरह ठोंक दिया!

ऊपर से ठीकठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत!
बात ने ,जो एक शरारती बच्चे की तरह
मुझसे खेल रही थी,
मुझे पसीना पोंछते देखकर पूछा-
क्या तुमने भाषा को
सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा ?

(क) इन पंक्तियों की भाषा संबंधी विशेषताएं लिखिए। 2

(ख) काव्यांश में आए मुहावरों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। 2

(ग) काव्यांश में आए उपमानों को स्पष्ट कीजिए। 2

5. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

बाजार मे एक जादू है। वह जादू आँख की तरह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी-चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान को गिल्टी की खुराक ही मिलती है। जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ देगी?

पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा उपाय है वह यह कि बाजार जाओ तो खाली मन न हो । मन खाली हो तब बाजार न जाओ कहते हैं, लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य से भरा हो तो बाजार फैला का फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ न कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाजार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।

(1) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक और पाठ का नाम लिखिए। 2

(2) जेब भरी हो और मन खाली तो हमारी क्या दशा होती है? 2

(3) फैंसी चीजों की बहुतायत का क्या परिणाम होता है? 2

(4) जादू की जकड़ से बचने का क्या उपाय है? 2

6. इन्दरसेना को लेखक मेढक-मंडली क्यों कहता है, जीजी के बार-बार कहने पर भी वह इन्दरसेना पर पानी फेंकने को राजी क्यों नहीं होता? 3

7. यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों? कारण सहित समीक्षा कीजिए। 5

अथवा

'जूझ' कहानी के आधार पर लेखक के जीवन संघर्ष को संक्षेप में वर्णित कीजिए।

oooooo